'हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2024'

हाल ही में **'हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न इंडेक्स 2024'** जारी किया गया है देश में यूनिकॉर्न की संख्या चार साल में पहली बार घटकर 67 रह गई है।

मुख्य बिंदु

- इस इंडेक्स को हुरुन रिसर्च इंस्टीट्यूट द्वारा संकलित किया गया है 2000 के दशक में इसमें 1 बिलियन डॉलर के वर्तमान मूल्यांकन के साथ स्थापित गैर-सूचीबद्ध कंपनियाँ शामिल हैं
- भारत यूनिकॉर्न के मामले में वैश्विक स्तर पर तीसरे स्थान पर अभी भी कायम है। एडटेक कंपनी **बायजूस (Byjus) यूनिकॉर्न के क्लब से बाहर हो गई** है।
- वर्ष 2017 के बाद पहली बार यूनिकॉर्न की संख्या में गिरावट के साथ भारत का स्टार्टअप इकोसिस्टम धीमा हो गया है।
- हालाँकि भारतीय संस्थापकों ने किसी भी अन्य देश की तुलना में अधिक ऑफशोर यूनिकॉर्न का उत्पादन किया है।
- हुरुन के पिछले वर्षों के यूनिकॉर्न इंडेक्स ने 2023 और 2022 में भारत में 68 यूनिकॉर्न, 2021 में 54 और 2020 और 2019 में 21 यूनिकॉर्न की सूचना दी थी।
- **हुरुन रिपोर्ट के अध्यक्ष हुग्वेर्फ़** ने कहा कि भारत के बाहर स्थापित यूनिकॉर्न में से महत्त्वपूर्ण रूप से सभी संयुक्त राज्य अमेरिका (95) में थे।
- शहर के हिसाब से **बेंगलुरु 32 यूनिकॉर्न** के साथ सातवें स्थान पर और **मुंबई 14 यूनिकॉर्न** के साथ 19वें स्थान पर है।
- रिपोर्ट में कहा गया है कि फूड डिलीवरी प्लेटफार्म **स्विगी** और फैंटेसी स्पोर्ट्स पर केंद्रित **ड्रीम11** भारत के सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न हैं। इनका वैल्यूएशन आठ अरब डालर है। 7.5 अरब डालर के वैल्यूएशन के साथ रेजरपे दूसरे स्थान पर है। स्विगी और ड्रीम11 जहां वैश्विक स्तर पर तैयार की गई सूची में 83वें स्थान पर हैं वहीं रेजरपे 94वें स्थान पर है।
- **सैन फ्रांसिस्को 190 यूनिकॉर्न** के साथ, **न्यूयॉर्क 133 यूनिकॉर्न** के साथ और **बीजिंग 78 यूनिकॉर्न** के साथ दुनिया में अग्रणी यूनिकॉर्न थे।
- विश्व स्तर पर, **बाइटडांस $220 बिलियन** के मूल्यांकन के साथ सबसे मूल्यवान यूनिकॉर्न बना इसके बाद SpaceX ($180 बिलियन), OpenAI ($100 बिलियन), Ant Group ($80 बिलियन), Shein ($65 बिलियन) का स्थान रहा हैं ।

देश	यूनिकॉर्न की संख्या
अमेरिका	703
चीन	240
भारत	67
UK	53
जर्मनी	36

फणीगिरी में सिक्के के भंडार

हाल ही में, पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने तेलंगाना के **सूर्यपेट जिले के फणीगिरी में सिक्के के भंडार का पता लगाया** है।

मुख्य बिंदु

- पुरातत्व और संग्रहालय विभाग ने **तेलंगाना** के सूर्यपेट ज़िले के फणीगिरी में एक सिक्के के भंडार का पता लगाया है।
- उत्खनन में सीसे के सिक्के मिले हैं जिनके एक तरफ हाथी और दूसरी तरफ उज्जैन का प्रतीक है।

- पुरातत्वविदों के अनुसार, ये सिक्के **इक्ष्वाकु काल** के हैं, जो तीसरी शताब्दी से चौथी शताब्दी के बीच के हैं।
- इसके अलावा पत्थर के मोती, काँच के मोती, शंख की चूड़ियों के टुकड़े, प्लास्टर की आकृतियाँ, टूटी चूना पत्थर की मूर्तियाँ, खिलौना गाड़ी का एक पहिया और मिट्टी के बर्तन भी खुदाई में मिले हैं।
- महास्तूप, अर्धवृत्ताकार चैत्यगृह, मन्नत स्तूप, स्तंभयुक्त मण्डली हॉल, विहार, विभिन्न स्तरों पर **सीढ़ियों वाले मंच, अष्टकोणीय स्तूप चैत्य, 24-स्तंभ मंडपम** और **गोलाकार चैत्य** की भी खुदाई की गई है।
- इस खुदाई में कई प्रकार की सांस्कृतिक सामग्री भी प्राप्त हुई है, जिसमें टेराकोटा मोती, ब्राह्मी लेबल शिलालेख और पवित्र अवशेष ताबूत की कीलें शामिल हैं।

फणीगिरी के बारे में

- **फणीगिरी हैदराबाद से 110 किमी दूर स्थित एक प्रसिद्ध बौद्ध स्थल** है।
- इस स्थल का नाम पहाड़ी के आकार से पड़ा है, जो सांप के फन जैसा प्रतीत होता है क्योंकि संस्कृत में फणी शब्द का अर्थ है 'सांप' और गिरि का अर्थ 'पहाड़ी' है।
- यह दक्कन के पश्चिम और पूर्वी तट को जोड़ने वाले प्राचीन व्यापार मार्ग यानी दक्षिणापथ पर रणनीतिक रुप से स्थित महत्वपूर्ण बौद्ध मठों में से एक है।

सैम पित्रोदा की किताब द आइडिया ऑफ डेमोक्रेसी

प्रसिद्ध लेखक सैम पित्रोदा ने **'द आइडिया ऑफ डेमोक्रेसी'** नामक एक नई पुस्तक लिखी है, जो भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में लोकतंत्र की वर्तमान स्थिति और इसकी संभावित चुनौतियों का पता लगाती है। पुस्तक विमोचन कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल और साहित्य जगत की अन्य प्रतिष्ठित हस्तियां शामिल हुईं।

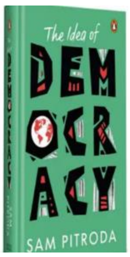

मुख्य बिंदु

- सिब्बल के साथ अपनी बातचीत के दौरान, पित्रोदा ने ऐसे समय में ऐसी किताब लिखने के अपने कारणों पर चर्चा की, जब कई देश 2024 में चुनाव का सामना कर रहे हैं।
- पित्रोदा की पुस्तक तथाकथित लोकतांत्रिक सफलता के विरोधाभास के साथ-साथ इसके उदारवादी पतन को भी संबोधित करती है।
- यह लोकतंत्र के सार, इसके कामकाज, इसे समाहित करने के लिए आवश्यक मूल्यों और उन ताकतों और सुरक्षा उपायों का विस्तृत विश्लेषण प्रदान करता है जो उदार लोकतंत्र को संरक्षित करने में मदद कर सकते हैं।
- पुस्तक का उद्देश्य विशेषकर युवाओं के बीच लोकतंत्र के अर्थ और आने वाले युग में इसके अस्तित्व और समृद्धि में उनकी भूमिका पर बातचीत को प्रोत्साहित करना है।
- सैम पित्रोदा विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त दूरसंचार आविष्कारक, उद्यमी, विकास विचारक और नीति निर्माता हैं, जिनके पास सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) और संबंधित वैश्विक और राष्ट्रीय विकास में 50 वर्षों का अनुभव है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 14 और 21 का दायरा बढ़ाया

सुप्रीम कोर्ट हाल ही में, कहा कि लोगों को संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 द्वारा मान्यता प्राप्त **जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से मुक्त रहने का अधिकार** है।

मुख्य बिंदु

- मुख्य न्यायाधीश डॉ. धनंजय वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति जे बी पार्दीवाला और मनोज मिश्रा की पीठ ने कहा कि "वंचित समुदायों की जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनने या इसके प्रभावों से निपटने की अक्षमता जीवन के अधिकार के साथ-साथ समानता के अधिकार का उल्लंघन करती है।"

- सुप्रीम कोर्ट ने देखा कि भारत ने वैश्विक पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताएं की हैं, **क्योटो प्रोटोकॉल और पेरिस समझौते** जैसे समझौतों में भाग लिया है। ये समझौते उत्सर्जन में कमी के लक्ष्यों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग तंत्रों जैसे उपायों के माध्यम से जलवायु परिवर्तन का सामना करने का उद्देश्य रखते हैं।
- UNFCCC ने राष्ट्रों की सामूहिक जिम्मेदारी को रेखांकित किया है ताकि ग्रीनहाउस गैस सांद्रता को स्थिर किया जा सके और जलवायु प्रणाली के साथ खतरनाक हस्तक्षेप से बचा जा सके।
- **अनुच्छेद 48A** राज्य को पर्यावरण की सुरक्षा और सुधार करने का निर्देश देता है, और **अनुच्छेद 51A(g)** हर नागरिक पर प्राकृतिक पर्यावरण की सुरक्षा और सुधार करने का कर्तव्य लगाता है। ये प्रावधान सीधे प्रवर्तनीय नहीं हैं, वे संविधान में पर्यावरण संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हैं।
- सुप्रीम कोर्ट का मत है कि **जीवन का अधिकार (अनुच्छेद 21)** और **कानून के समक्ष समानता (अनुच्छेद 14)** जैसे संवैधानिक अधिकारों की व्याख्या स्वच्छ पर्यावरण के अधिकार और जलवायु परिवर्तन के प्रतिकूल प्रभावों से सुरक्षा शामिल करने के लिए की जाती है।

अनुच्छेद 14: समानता का अधिकार

- किसी भी व्यक्ति को कानून द्वारा स्थापित प्रक्रिया के अलावा उसके जीवन या स्वतंत्रता से वंचित नहीं किया जाएगा, न ही किसी व्यक्ति को कानून के समक्ष समानता या कानून के समान संरक्षण से वंचित किया जाएगा।

अनुच्छेद 21: जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की सुरक्षा

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 21 जीवन की सुरक्षा और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार की गारंटी देता है। यह जीवन और स्वतंत्रता से मनमाने ढंग से वंचित किए जाने के खिलाफ कुछ सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करता है।

भारत ने काला अज़ार को ख़त्म करने का लक्ष्य हासिल किया

नेशनल सेंटर फॉर वेक्टर बोर्न डिजीज कंट्रोल (एनसीवीबीडीसी) के आंकड़ों के मुताबिक, भारत ने आंत संबंधी लीशमैनियासिस, जिसे आमतौर पर काला-अजार के नाम से जाना जाता है, को खत्म करने का अपना लक्ष्य हासिल कर लिया है।

मुख्य बिंदु

- **भारत ने शुरुआत में 2010 तक कालाज़ार को ख़त्म करने का लक्ष्य रखा था, लेकिन लगातार चुनौतियों के कारण लक्ष्य को 2023 तक बढ़ा दिया गया था।**
- काला अज़ार को ख़त्म करने की दिशा में एक देश में मलेरिया के बाद दूसरा सबसे घातक परजीवी रोग - भारत ने 2023 में सभी ब्लॉकों में प्रति 10,000 जनसंख्या पर एक से कम मामले दर्ज करने का लक्ष्य हासिल किया था।
- डब्ल्यूएचओ के अनुसार, 2020 में, भारत में कालाजार के वैश्विक बोझ का 18 प्रतिशत हिस्सा था।
- एनसीवीबीडीसी के नवीनतम डेटा से संकेत में भारत ने 2023 में पूरे भारत में काला-अज़ार के केवल 520 मामले दर्ज किए, जो विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा निर्धारित उन्मूलन मानदंडों को पूरा करते हैं, जो उन्मूलन को देश में किसी भी ब्लॉक में प्रति मामले एक से अधिक रिपोर्ट करने के रूप में परिभाषित करता है।

कालाज़ार के बारे में

- यह **प्रोटोजोआ परजीवी लीशमैनिया** (सैंड मक्खी के काटने से फैलने वाली बीमारी) के कारण होने वाली बीमारी है।
- यह धीरे-धीरे बढ़ता है और मुख्य रूप से प्लीहा, यकृत और अस्थि मज्जा जैसे अंगों को प्रभावित करता है।

- भारत में, यह **लीशमैनिया डोनोवानी** के कारण होता है. "काला-अज़ार" शब्द का अर्थ त्वचा के मलिनकिरण के कारण "काली बीमारी" है।
- पोस्ट-काला-अज़ार डर्मल लीशमैनियासिस (पीकेडीएल) तब होता है जब परजीवी त्वचा कोशिकाओं को प्रभावित करता है. जिसके परिणामस्वरूप त्वचा पर घाव हो जाते हैं।

दैनिक करेंट अफेयर्स से संबंधित महत्वपूर्ण प्रश्न

1. 'हुरुन ग्लोबल यूनिकॉर्न स्टाक 2024' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करे

1. अमेरिका 703 यूनिकॉर्न के साथ यूनिकॉर्न सूची में सबसे आगे है

2. भारत 67 यूनिकॉर्न में तीसरे स्थान है

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Ans. (c)

2. 'फणिगिरि में हुए उत्खनन कार्य' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. उत्खनन में सीसे के सिक्के मिले हैं जिनके एक तरफ हाथी और दूसरी तरफ उज्जैन का प्रतीक है।

2. पुरातत्वविदों के अनुसार, ये सिक्के इक्ष्वाकु काल के हैं, जो तीसरी शताब्दी से चौथी शताब्दी के बीच के हैं।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं-

(a) केवल 1
(b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों
(d) न तो 1 और न ही 2

Ans. (c)

❍❍❍❍